दिनांक : 08.03.2019

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली रीज़नल रेल और मेरठ मे मेट्रो सेवा का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज भारत की पहली रीज़नल रेल के निर्माण का शिलान्यास किया। वह गाजियाबाद के सिकंदरपुर मे एक जनसभा को संबोधित कर रहे थें। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ तथा विदेश राज्य मंत्री श्री वी. के. सिंह भी उपस्थित थे। भारत की पहली रीजनल रेल दिल्ली–गाज़ियाबाद–मेरठ के बीच चलेगी साथ ही यह मेरठ मे मेट्रो ट्रेन सेवा की भी सुविधा प्रदान करेगी। इसका निमार्ण 30,274 करोड़ रु. की लागत से किया जाएगा।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने मेरठ में आरआरटीएस और मेरठ मेट्रो सेवाओं के शिलान्यास के कार्यक्रम का नेतृत्व किया, जहां स्थानीय सांसद और विधायक मौजूद थे। इस सेवा का परिचालन वर्ष 2024 तक आरंभ करने की योजना है।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा, '' देश मे नेक्सट जेनरेशन अर्बन इफास्ट्रक्चरं को नया आयाम देते हुए आज दिल्ली – गाजियाबाद – मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम का शिलान्यास किया गया है। 30 हजार करोड रूपये की लागत से बन रहा ये देश का पहला आरआरटीएस होगा। इसमे रैपिड रेल और मेट्रो दोनों ही ट्रेने चलेंगी।

दिल्ली से गाजियाबाद के रास्ते मेरठ आने–जाने वालों को सड़क जाम और प्रदूषण से बड़ी राहत देते हुए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की रेलगाड़ी कुल 82 किमी का यह सफर 60 मिनट से कम समय में पूरी करेगी। यह तेज गति और अधिक आवृत्ति के साथ वातानुकूलित, सुरक्षित, भरोसेमंद, आरामदायक और स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन होगा। आरआरटीएस की परिचालन गति 160 किमी. प्रति घंटा और औसत गति 100 किमी. प्रति घंटा होगी। गाड़ियों की आवृत्ति 5–10 मिनट पर होगी और हर 5–10 किमी की दूरी पर एक आरआरटीएस स्टेशन होगा।

आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, ''शहरों में आबादी तेजी से बढ़ रही है। इसलिए, सार्वजनिक परिवहन और इंटरसिटी लिंकेज जरूरी हैं। यदि आप एक तीव्र पारगमन प्रणाली बनाते हैं, तो बहुत से लोग ऐसे होंगे जो मेरठ और एनसीआर में रहना पसंद करेंगे और काम के लिए दिल्ली आएंगे। मुझे विश्वास है कि आरआरटीएस परियोजना समय पर पूरी हो जाएगी और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ-साथ मेरठ और आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन में आसानी होगी

रीजनल रेल कारीडोर दिल्ली और मेरठ की कुछ सबसे घनी आबादी क्षेत्रों से गुजरेगा। दिल्ली में सराय काले खान से शुरू यह कॉरिडोर उत्तरी मेरठ में मोदीपुरम तक जाएगा। यह सराय काले खां से शुरू होकर न्यू अशोक नगर एवं आनंद विहार (दिल्ली) होता हुआ उत्तर प्रदेश में साहीबाबाद, गाज़ियाबाद, मुरादनगर और मोदीनगर जैसे कई शहरी केंद्रों को आपस में जोड़ेगा।

एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक श्री विनय कुमार सिंह ने कहा, कि ''आरआरटीएस न केवल दिल्ली–मेरठ क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन का परिदृश्य बदल देगा बल्कि इससे इन क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से संतुलित सामाजिक–आर्थिक विकास होगा और लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा।''

मेरठ मेट्रो : मेरठ मेट्रो की सेवा के लिए आरआरटीएस कॉरिडोर के मोदीपुरम से मेरठ दक्षिण स्टेशन के बीच 18 किमी के स्ट्रेच पर 12 स्टेशन बनाये जाएगें जिससे मेरठ में स्थानीय परिवहन बहुत आसान हो जाएगा। साथ ही, यह क्षेत्रीय संपर्क का बेहतर साधन उपलब्ध होगा। इस तरह की यूनिक व्यवस्था से कुल मिला कर लगभग 6,300 करोड़ रु. की बचत होगी।

मेरठ मेट्रो ज़्यादातर एलिवेटेड होगा हालांकि इसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों जैसे ब्रह्मापुरी, मेरठ सेंट्रल, भैसाली और बेगमपुल में अंडरग्राउंड बनाया जाएगा।

आरआरटीएस की ट्रेनों में तमाम तरह की आधुनिक सुविधाएं होंगी जैसे सीसीटीवी की निगरानी, मोबाइल/ लैपटॉप चार्जिंग प्वाइंट, सामान रखने की अलग जगह आदि। सभी स्टेशनों और गाड़ियों को दिव्यांगों के लिए सुविधाजनक बनाया जाएगा। प्रत्येक गाड़ी में एक बिज़नेस क्लास और महिलाओ के लिए अलग डब्बा होगा।

आरआरटीएस के स्टेशनों पर विभिन्न परिवहन के साधनों जैसे एयरपोर्ट, भारतीय रेल, मेट्रो, आईएसबीटी का मल्टीमोडल एकीकरण किया जाएगा और इनको लिफ्ट, एक्सेलेटर, ट्रेवलेटर आदि से जोडा जाएगा। साथ ही फेज 1 के सभी 3 कारीडोर इन्टरआपरेबल होंगे जिससे यात्रियों को एक कारीडोर से दूसरे कारीडोर मे जाने के लिए ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी।

इससे अन्य परिवहन के वर्तमान साधनों की तुलना में यात्रा समय मे बड़ी बचत होगी। इस रेल परिवहन में सर्वश्रेष्ठ निर्देश एवं नियंत्रण व्यवस्था होगी जिससे लोगों को परिवहन का अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय विकल्प मिलेगा। साथ ही, यातायात में सार्वजनिक परिवहन की भागीदारी बढ़ेगी। नए बाजार खुलेंगे और पूरे क्षेत्र में लोगों को नए अवसर मिलेंगे।

दिल्ली–गाज़ियाबाद–मेरठ कॉरिडोर उन तीन कॉरिडोरों में एक है जिन्हें पहले चरण में पूरा करने की योजना है। दो अन्य कॉरिडोर हैं : दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी–अलवर और दिल्ली–पानीपत कॉरिडोर ।

दिल्ली–गाज़ियाबाद–मेरठ कॉरिडोर का मानचित्र, स्टेशनों की सूची और संदर्भ के लिए तस्वीरें संलग्न हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें : **www.ncrtc.in**